मरुळु माडि कोंडेयल्लि मायादेविये ॥ प ॥
इरुळु हगलु ऐकवागि हरियु निन्न बिडदिप्पंते ॥ अप ॥

ज्ञानिगळु नित्य पानादिगळन्नु बिट्टु
नान विध तपविद्दरु ध्यानक्के सिलुकदवन ॥ १ ॥

सर्व सन्ग बिट्टु सन्यासियाद कालक्कू
सर्वदा तन्नेदेयं मेले बिडदे निन्न धरिसिप्पंते ॥ २ ॥

प्रळय कालदल्लि आलदेलेय मेले मलगिद्दाग
हलवु आभरणगळु जलवु आगि जाणतनदि ॥ ३ ॥

रंगनु भूलोकदि भुजन्ग गिरियोळल
मेलु मंगपतियागि निन्न अंगीकरिसुवंते ॥ ४ ॥

मक्कळ पडेदरे निन्न चोक्कतनवु पोपुदेंदु
पोक्कुळोळु मक्कळ पडेदु कक्कुलादि पडुवंते ॥ ५ ॥

एडके भूमि बलके श्रीयु एदुरिनल्लि दुर्गादेवि
तोडेय मेले लकुमियागि बिडदे मुद्दाडिसुवंते ॥ ६ ॥

एंदेंदिगू मरेये निन्नानंददि जनरिगेल्ल
तंदु तोरे स्वाधीन पुरंदर विट्ठल रायन ॥ ७ ॥